Леонид Гаврилов · Leonid Gavrilov

ПСАЛТИРЬ · গীতসংহিতা

Русский (Септуагинта, LXX) | Бенгальский — Indian Revised Version — бенгальский (2019)
Псалтирь параллельная · 151 псалом · 20 кафизм

Typikon.site

О колонках этого издания. Левая колонка следует греческой Септуагинте (LXX) — тексту богослужебной традиции; правая — перевод Indian Revised Version — бенгальский (2019) (CC BY-SA 4.0 © 2019 Bridge Connectivity Solutions), выполненный с масоретского текста: у него иная нумерация псалмов и стихов (обе нумерации приведены), отдельные чтения различаются, а 151-й псалом отсутствует. Колонки печатаются параллельно выровненными рядами (стих напротив стиха по порядку следования); из-за разного деления стихов соответствие рядов приблизительное — номера каждой колонки собственные. Правая колонка воспроизводится по своему изданию как есть и следует конвенциям собственной традиции — в том числе в передаче Имени Божия, именах собственных и делении стихов; эти конвенции не выражают стандарт настоящей серии. Стих, слитый в издании с соседним, печатается под составным номером; прочерк означает, что стих в этом издании отсутствует.

© 2026 LG, aka Typikon.site
Составление, аппарат и вёрстка — лицензия Creative Commons Attribution-NonCommercial-NoDerivatives 4.0 International (https://creativecommons.org/licenses/by-nc-nd/4.0/). Тексты колонок сохраняют указанные при них лицензии.
Publisher: Typikon.site · A4 (альбомный)
ISBN 978-9925-620-0-2026

Кафизма 1

Слава I

Псалом 1 · MT 1

Псалом Давида.

1 Блажен муж, который не ходит на совет нечестивых и не стоит на пути грешных и не сидит в собрании развратителей,

2 но в законе Господа воля его, и о законе Его размышляет он день и ночь!

3 И будет он как дерево, посаженное при потоках вод, которое приносит плод свой во время свое, и лист которого не вянет; и во всем, что он ни делает, успеет.

4 Не так - нечестивые, [не так]: но они - как прах, возметаемый ветром [с лица земли].

5 Потому не устоят нечестивые на суде, и грешники - в собрании праведных.

6 Ибо знает Господь путь праведных, а путь нечестивых погибнет.

1 ধন্য সেই ব্যক্তি, যে দুষ্টদের পরামর্শে চলে না, পাপীদের সঙ্গে পথে দাঁড়ায় না, কিংবা বিদ্রূপকারীদের সভায় বসে না।

2 কিন্তু তার আনন্দ সদাপ্রভুর ব্যবস্থার মধ্যে, তাঁর ব্যবস্থার উপর সে দিন ও রাত ধ্যান করে।

3 সে এমন একটি গাছের মত হবে, যা জলের প্রবাহের কাছে রোপিত যা সঠিক দিনের তার ফল উৎপন্ন করে। যার পাতা শুকিয়ে যায় না; যা কিছু করে তাতে উন্নতিলাভ করবে।

4 দুষ্টেরা সেই রকম নয়, কিন্তু বরং তারা তুষের মত যা বাতাস উড়িয়ে নিয়ে যায়।

5 তাই দুষ্টেরা বিচারের মধ্যে দাঁড়াবে না, পাপীরাও ধার্ম্মিকদের সভার মধ্যে থাকবে না।

6 কিন্তু সদাপ্রভু ধার্ম্মিকদের পথ জানেন, কিন্তু দুষ্টদের পথ বিনষ্ট হবে।

Псалом 2 · MT 2

Псалом Давида.

1 Зачем мятутся народы, и племена замышляют тщетное?

2 Восстают цари земли, и князья совещаются вместе против Господа и против Помазанника Его.

3 "Расторгнем узы их, и свергнем с себя оковы их".

4 Живущий на небесах посмеется, Господь поругается им.

5 Тогда скажет им во гневе Своем и яростью Своею приведет их в смятение:

6 "Я помазал Царя Моего над Сионом, святою горою Моею;

7 возвещу определение: Господь сказал Мне: Ты Сын Мой; Я ныне родил Тебя;

8 проси у Меня, и дам народы в наследие Тебе и пределы земли во владение Тебе;

9 Ты поразишь их жезлом железным; сокрушишь их, как сосуд горшечника".

10 Итак вразумитесь, цари; научитесь, судьи земли!

11 Служите Господу со страхом и радуйтесь [пред Ним] с трепетом.

12 Почтите Сына, чтобы Он не прогневался, и чтобы вам не погибнуть в пути вашем, ибо гнев Его возгорится вскоре. Блаженны все, уповающие на Него.

1 কেন জাতিরা বিদ্রোহ করে? কেন লোকেরা বৃথা চক্রান্ত করে?

2 পৃথিবীর রাজারা একসঙ্গে দাঁড়িয়ে আছে এবং শাসকরা একসঙ্গে চক্রান্ত করে সদাপ্রভুর বিরুদ্ধে এবং তাঁর অভিষিক্ত ব্যক্তির বিরুদ্ধে, বলে,

3 “এস আমরা তাদের বন্ধন ছিঁড়ে ফেলি এবং তাদের শিকল খুলে ফেলি।”

4 যিনি স্বর্গে বসে আছেন তিনি তাদের উপর হাঁসবেন এবং প্রভু তাদের উপহাস করবেন।

5 তখন তিনি তাঁর ক্রোধে তাদের সঙ্গে কথা বলবেন এবং তাঁর ক্রোধে তাদের আতঙ্কিত করবেন, বলবেন,

6 “আমি নিজেই আমার রাজাকে অভিষিক্ত করেছি সিয়োনের উপর, আমার পবিত্র পর্বতে।”

7 আমি সদাপ্রভুর একটি আদেশ ঘোষণা করব; তিনি আমাকে বললেন, “তুমি আমার পুত্র! আজ আমি তোমার জন্ম দিয়েছি।

8 আমার কাছে চাও এবং আমি তোমার উত্তরাধিকারের জন্য সমস্ত জাতিকে এবং তোমাদের অধিকারের জন্য এবং পৃথিবীর দূরবর্তী অঞ্চলগুলোকে দেব।

9 তুমি একটি লোহার রাজদণ্ড দিয়ে তাদের ভাঙ্গবে, তুমি তাদের কুমোরের পাত্রের মত সম্পূর্ণ ধ্বংস করবে।”

10 তাই এখন, তোমরা রাজারা, সতর্ক হও, সংশোধন হও, তোমরা পৃথিবীর শাসকেরা।

11 ভয়ে সদাপ্রভুর আরাধনা কর এবং কম্পনের সঙ্গে আনন্দ কর।

12 তাঁর পুত্রকে প্রকৃত সম্মান দাও, যেন ঈশ্বর তোমাদের উপরে ক্রুদ্ধ না হন এবং যাতে তুমি মারা না যাও, যখন তাঁর ক্রোধ দ্রুত প্রজ্জ্বলিত হয়। ধন্য তারা, যারা তাঁর আশ্রয় গ্রহণ করে।

Псалом 3 · MT 3

Псалом Давида, когда он бежал от Авессалома, сына своего.

1 Господи! как умножились враги мои! Многие восстают на меня

2 многие говорят душе моей: "нет ему спасения в Боге".

3 Но Ты, Господи, щит предо мною, слава моя, и Ты возносишь голову мою.

4 Гласом моим взываю к Господу, и Он слышит меня со святой горы Своей.

5 Ложусь я, сплю и встаю, ибо Господь защищает меня.

6 Не убоюсь тем народа, которые со всех сторон ополчились на меня.

1 সদাপ্রভু, আমার শত্রুরা কত বেশি! অনেকেই আমার দিকে ঘুরে দাঁড়িয়েছে এবং আমাকে আক্রমণ করেছে।

2 অনেকে আমার সম্পর্কে বলে, “সেখানে তার জন্য ঈশ্বরের কাছ থেকে কোন সাহায্য নেই।” সেলা,

3 কিন্তু তুমি, সদাপ্রভু, আমার বেষ্টনকারী ঢাল, আমার গৌরব এবং যিনি আমার মাথা উপরে তোলেন।

4 আমি সদাপ্রভুর উদ্দেশ্যে আমার কণ্ঠস্বর তুলি এবং তিনি তাঁর পবিত্র পর্বত থেকে আমাকে উত্তর দেন।

5 আমি শুয়ে পড়লাম ও ঘুমিয়ে পড়লাম, আমি জেগে উঠলাম, কারণ সদাপ্রভু আমাকে রক্ষা করেছেন।

6 আমি বহু সংখ্যক লোকেদের ভয় পাবনা, যারা চারিদিক দিয়ে আমার বিরুদ্ধে নিজেদেরকে স্থাপন করেছে।

7 Восстань, Господи! спаси меня, Боже мой! ибо Ты поражаешь в ланиту всех врагов моих; сокрушаешь зубы нечестивых.

8 От Господа спасение. Над народом Твоим благословение Твое.

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Аллилуиа, аллилуиа, аллилуиа, слава Тебе, Боже. (Трижды) —

Господи, помилуй. (Трижды) —

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Слава II

Псалом 4 · MT 4

Начальнику хора. На струнных орудиях. Псалом Давида.

1 Когда я взываю, услышь меня, Боже правды моей! В тесноте Ты давал мне простор. Помилуй меня и услышь молитву мою.

2 Сыны мужей! доколе слава моя будет в поругании? доколе будете любить суету и искать лжи?

3 Знайте, что Господь отделил для Себя святаго Своего; Господь слышит, когда я призываю Его.

4 Гневаясь, не согрешайте: размыслите в сердцах ваших на ложах ваших, и утишитесь;

5 приносите жертвы правды и уповайте на Господа.

6 Многие говорят: "кто покажет нам благо?" Яви нам свет лица Твоего, Господи!

7 Ты исполнил сердце мое веселием с того времени, как у них хлеб и вино [и елей] умножились.

8 Спокойно ложусь я и сплю, ибо Ты, Господи, един даешь мне жить в безопасности.

Псалом 5 · MT 5

Начальнику хора. На духовых орудиях. Псалом Давида.

1 Услышь, Господи, слова мои, уразумей помышления мои.

2 Внемли гласу вопля моего, Царь мой и Бог мой! ибо я к Тебе молюсь.

3 Господи! рано услышь голос мой, - рано предстану пред Тобою, и буду ожидать,

4 ибо Ты Бог, не любящий беззакония; у Тебя не водворится злой;

5 нечестивые не пребудут пред очами Твоими: Ты ненавидишь всех, делающих беззаконие.

6 Ты погубишь говорящих ложь; кровожадного и коварного гнушается Господь.

7 А я, по множеству милости Твоей, войду в дом Твой, поклонюсь святому храму Твоему в страхе Твоем.

8 Господи! путеводи меня в правде Твоей, ради врагов моих; уровняй предо мною путь Твой.

9 Ибо нет в устах их истины: сердце их - пагуба, гортань их - открытый гроб, языком своим льстят.

10 Осуди их, Боже, да падут они от замыслов своих; по множеству нечестия их, отвергни их, ибо они возмутились против Тебя.

11 И возрадуются все уповающие на Тебя, вечно будут ликовать, и Ты будешь покровительствовать им; и будут хвалиться Тобою любящие имя Твое.

7 সদাপ্রভু! ওঠ, আমার ঈশ্বর! আমাকে রক্ষা কর, কারণ তুমি আমার সমস্ত শত্রুদের চোয়ালে আঘাত করবে, তুমি দুষ্টদের দাঁত ভাঙ্গবে।

8 পরিত্রাণ সদাপ্রভুর কাছ থেকে আসে, তোমার আশীর্বাদ তোমার লোকেদের উপরে আসুক। সেলা

1 আমি যখন ডাকি আমাকে উত্তর দাও, আমার ধার্মিকতার ঈশ্বর, তুমি আমার মনের দুঃখ দূর করেছ, আমার উপর করুণা কর এবং আমার প্রার্থনা শোন।

2 লোকেরা, আর কতদিন তোমরা আমার সম্মান লজ্জায় পরিণত করবে? কতদিন তোমরা, যা অযোগ্য তাকে ভালবাসবে এবং মিথ্যের পিছনে দৌড়াবে? সেলা

3 কিন্তু এটা জেনে রাখো যে সদাপ্রভু নিজের জন্য ধার্ম্মিকদের পৃথক করেন। আমি যখন তাঁকে ডাকব তখন সদাপ্রভু শুনবেন,

4 ভয়ে কম্পমান থাক, কিন্তু পাপ করো না! তোমাদের বিছানার উপরে তোমরা হৃদয়ে ধ্যান কর এবং নীরব হও। সেলা

5 ধার্মিকতার বলি উৎসর্গ কর এবং সদাপ্রভুর উপর বিশ্বাস রাখো।

6 অনেকে বলে, কে আমাদের মঙ্গল দেখাবে? সদাপ্রভু, তোমার মুখের আলো আমাদের উপরে ধর।

7 তুমি আমার হৃদয়ে অনেক খুশি দিয়েছ, অন্যদের চেয়েও যখন তাদের প্রচুর পরিমাণে শস্য ও দ্রাক্ষারস থাকে।

8 এই শান্তির মধ্যে আমি শুয়ে থাকব এবং ঘুমাবো, একমাত্র, সদাপ্রভু, আমাকে নিরাপদে এবং নিশ্চিতে রাখেন।

1 আমার কান্না শোন, সদাপ্রভু; আমার আর্তনাদের বিষয়ে চিন্তা কর।

2 আমার কান্নার শব্দ শোন, আমার রাজা এবং আমার ঈশ্বর। কারণ আমি তোমার কাছে প্রার্থনা করছি।

3 সদাপ্রভু, সকালে তুমি কান্না শুনবে; সকালে আমি তোমার উদ্দেশ্যে আমার প্রার্থনা আনব এবং প্রত্যাশায় অপেক্ষা করব।

4 নিশ্চয়ই তুমি এমন একজন ঈশ্বর নও যিনি মন্দ কাজকে অনুমোদন করেন; মন্দ লোকেরা তোমার অতিথি হবে না।

5 অহঙ্কারীরা তোমার উপস্থিতিতে দাঁড়াবে না, তুমি তাদের ঘৃণা কর যারা অন্যায় ব্যবহার করে।

6 তুমি মিথ্যাবাদীদের ধ্বংস করবে, সদাপ্রভু হিংস্র এবং প্রতারণাপূর্ণ মানুষকে তুচ্ছ করেন।

7 কিন্তু আমার জন্য, তোমার মহান চুক্তির বিশ্বস্ততার কারণে, আমি তোমার গৃহে আসব; আমি তোমার পবিত্র মন্দিরের দিকে ভয়ে নত হব।

8 হে প্রভু, আমার শত্রুদের কারণে তোমার ধার্ম্মিকতায় আমাকে পরিচালনা কর, আমার সামনে তোমার পথ সোজা কর।

9 কারণ তাদের মুখের মধ্যে কোন সত্যতা নেই; তাদের অন্তর হচ্ছে দুষ্ট, তাদের গলা খোলা সমাধির মত, তারা তাদের জিভ দিয়ে তোষামোদ করে।

10 ঈশ্বর তাদের দোষী সাব্যস্ত কর, তাদের পরিকল্পনাই তাদের সর্বনাশ নিয়ে আসবে, তাদের অনেক পাপের জন্য তাদের তাড়িয়ে দাও, কারণ তারা তোমার বিরুদ্ধে বিদ্রোহ করেছে।

11 কিন্তু যারা তোমার মধ্যে আশ্রয় নেয় তারা সবাই আনন্দিত হোক; তারা সবদিন আনন্দের গান করুক কারণ তুমি তাদের রক্ষা করছ; যারা তোমার নাম ভালবাসে তারা তোমার মধ্যে আনন্দিত হোক।

12 Ибо Ты благословляешь праведника, Господи; благоволением, как щитом, венчаешь его.

12 কারণ তুমি ধার্ম্মিকদের আশীর্বাদ করবে, সদাপ্রভু, তুমি অনুগ্রহের সঙ্গে তাদের চারপাশে ঢাল হিসাবে থাকবে।

Псалом 6 · MT 6

Начальнику хора. На восьмиструнном. Псалом Давида.

1 Господи! не в ярости Твоей обличай меня и не во гневе Твоем наказывай меня.

2 Помилуй меня, Господи, ибо я немощен; исцели меня, Господи, ибо кости мои потрясены;

3 и душа моя сильно потрясена; Ты же, Господи, доколе?

4 Обратись, Господи, избавь душу мою, спаси меня ради милости Твоей,

5 ибо в смерти нет памятования о Тебе: во гробе кто будет славить Тебя?

6 Утомлен я воздыханиями моими: каждую ночь омываю ложе мое, слезами моими омочаю постель мою.

7 Иссохло от печали око мое, обветшало от всех врагов моих.

8 Удалитесь от меня все, делающие беззаконие, ибо услышал Господь голос плача моего,

9 услышал Господь моление мое; Господь примет молитву мою.

10 Да будут постыжены и жестоко поражены все враги мои; да возвратятся и постыдятся мгновенно.

1 সদাপ্রভু, তোমার ক্রোধে আমাকে তিরস্কার করো না কিংবা তোমার ক্রোধে আমাকে শাসন কর না।

2 আমার উপর করুণা কর, সদাপ্রভু, কারণ আমি দুর্বল; সদাপ্রভু আমাকে সুস্থ কর, কারণ আমার সমস্ত হাড় কম্পিত হচ্ছে।

3 আমার প্রাণও খুব কষ্ট পাচ্ছে; কিন্তু তুমি, সদাপ্রভু, আর কতদিন এটি চলবে?

4 ফিরে এস, সদাপ্রভু, আমার প্রাণ উদ্ধার কর। তোমার চুক্তির বিশ্বস্ততার জন্য আমাকে রক্ষা কর।

5 কারণ মৃত্যুর মধ্যে তোমাকে কেউ স্মরণ করতে পারে না, পাতালের মধ্যে কে তোমাকে ধন্যবাদ দেবে?

6 আমি আর্তনাদ করে ক্লান্ত হয়ে পড়েছি। প্রতি রাতে আমি চোখের জলে আমার বিছানা ভাসাই, আমি চোখের জলে খাট ভেজাই।

7 দুঃখের কারণেই আমার চোখ অস্পষ্ট হয়ে যাচ্ছে; তারা আমার সমস্ত শত্রুর জন্য দুর্বল হয়ে পড়েছে।

8 তোমরা যারা অন্যায় কাজ কর, আমার থেকে দূরে চলে যাও; কারণ সদাপ্রভু আমার কান্নার শব্দ শুনেছেন।

9 সদাপ্রভু করুণা করে আমার অনুরোধ শুনেছেন; সদাপ্রভু আমার প্রার্থনা শুনেছেন।

10 আমার শত্রুরা লজ্জিত হবে এবং ভীষণ কষ্ট পাবে। তারা ফিরে আসবে এবং হঠাৎ অপমানিত হবে।

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Аллилуиа, аллилуиа, аллилуиа, слава Тебе, Боже. (Трижды) —

Господи, помилуй. (Трижды) —

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Слава III

Псалом 7 · MT 7

Плачевная песнь, которую Давид воспел Господу по делу Хуса, из племени Вениаминова.

1 Господи, Боже мой! на Тебя я уповаю; спаси меня от всех гонителей моих и избавь меня;

2 да не исторгнет он, подобно льву, души моей, терзая, когда нет избавляющего [и спасающего].

3 Господи, Боже мой! если я что сделал, если есть неправда в руках моих,

4 если я платил злом тому, кто был со мною в мире, - я, который спасал даже того, кто без причины стал моим врагом, -

5 то пусть враг преследует душу мою и настигнет, пусть втопчет в землю жизнь мою, и славу мою повергнет в прах.

6 Восстань, Господи, во гневе Твоем; подвигнись против неистовства врагов моих, пробудись для меня на суд, который Ты заповедал, -

7 сонм людей станет вокруг Тебя; над ним поднимись на высоту.

8 Господь судит народы. Суди меня, Господи, по правде моей и по непорочности моей во мне.

9 Да прекратится злоба нечестивых, а праведника подкрепи, ибо Ты испытуешь сердца и утробы, праведный Боже!

10 Щит мой в Боге, спасающем правых сердцем.

11 Бог - судия праведный, [крепкий и долготерпеливый,] и Бог, всякий день строго взыскивающий,

1 সদাপ্রভু আমার ঈশ্বর, আমি তোমার আশ্রয় নিয়েছি! আমার পিছু নিয়েছে যারা তাদের থেকে আমাকে রক্ষা কর, আমাকে উদ্ধার কর।

2 অথবা তারা আমাকে, সিংহের মত ছিঁড়ে ফেলবে, টুকরো টুকরো করবে, কেউ আমাকে নিরাপদে আনতে পারবে না।

3 সদাপ্রভু আমার ঈশ্বর, আমার শত্রুরা যা বলেছে তা আমি কখনই করিনি, আমার হাতে কোন অন্যায় নেই,

4 যে কেউ আমার সাথে শান্তিতে থাকে আমি তার কখনও ক্ষতি করিনি, যারা আমার বিরুদ্ধে অজ্ঞান ভাবে আমি তাদেরও ক্ষতি করব না,

5 যদি আমি সত্যি না বলি তাহলে আমার জীবনে শত্রুরা আমায় অনুসরণ করুক এবং ধরে ফেলুক, সে আমার জীবন্ত দেহকে মাটিতে পায়ে দলিত করুক এবং তবে আমার সম্মানকে ধূলোতে মিশিয়ে দিক। সেলা

6 সদাপ্রভু, তোমার ক্রোধে ওঠো, আমার শত্রুদের ক্রোধের বিরুদ্ধে দাঁড়াও, আমার জন্য জেগে ওঠ এবং ধার্মিকতার আজ্ঞা সম্পন্ন কর যা তুমি তাদের জন্য আদেশ দিয়েছ।

7 দেশগুলো তোমার চারপাশে একত্রিত হয়; তুমি আরেক বার তাদের উপরে সঠিক জায়গা নাও

8 সর্বশক্তিমান সদাপ্রভু, জাতিদের বিচার করো; সদাপ্রভু আমার বিচার কর, কারণ হে সদাপ্রভু আমি ধার্মিক ও নির্দোষ।

9 দুষ্টদের মন্দ কাজ শেষ হোক, কিন্তু ধার্মিক লোকদের প্রতিষ্ঠিত করো, ধার্মিক ঈশ্বর। যিনি হৃদয় ও মনের পরীক্ষা করেন।

10 ঈশ্বর আমার ঢাল, তিনি তাদেরকে রক্ষা করেন যারা ন্যায়পরায়ণ।

11 ঈশ্বর ধার্মিক বিচারক, ঈশ্বর যিনি প্রতিদিন ক্রোধ করেন।

12 если кто не обращается. Он изощряет Свой меч, напрягает лук Свой и направляет его,

13 приготовляет для него сосуды смерти, стрелы Свои делает палящими.

14 Вот, нечестивый зачал неправду, был чреват злобою и родил себе ложь;

15 рыл ров, и выкопал его, и упал в яму, которую приготовил:

16 злоба его обратится на его голову, и злодейство его упадет на его темя.

17 Славлю Господа по правде Его и пою имени Господа Всевышнего.

12 যদি কোন ব্যক্তি অনুতাপ না করে, তবে ঈশ্বর তাঁর তলোয়ারে শান দেবেন এবং যুদ্ধের জন্য তিনি তাঁর ধনুক প্রস্তুত করবেন।

13 তিনি তার বিরুদ্ধে অস্ত্র ব্যবহার করতে প্রস্তুত; তিনি তাঁর তীরকে জ্বলন্ত তীরে পরিণত করেন।

14 তাদের কথা ভাব যারা দুষ্টতা গর্ভে ধারণ করে, যারা ক্ষতিকারক মিথ্যার জন্ম দেয়।

15 সে একটি গর্ত খোঁড়ে এবং সেই গর্ত গভীর করে এবং তারপর সে নিজের ঐ তৈরী করা গর্তের মধ্যে পড়ে যায়।

16 তাদের ধ্বংসাত্মক পরিকল্পনা নিজেদের মাথাতে ফিরে আসে, তাদের হিংসা নিজেদের মাথায় ফিরে আসে।

17 আমি সর্বশক্তিমান সদাপ্রভুকে তাঁর ন্যায়বিচারের জন্য ধন্যবাদ দেব, আমি মহান সদাপ্রভুর উদ্দেশ্যে প্রশংসা গান করব।

Псалом 8 · MT 8

Начальнику хора. На Гефском орудии. Псалом Давида.

1 Господи, Боже наш! как величественно имя Твое по всей земле! Слава Твоя простирается превыше небес!

2 Из уст младенцев и грудных детей Ты устроил хвалу, ради врагов Твоих, дабы сделать безмолвным врага и мстителя.

3 Когда взираю я на небеса Твои - дело Твоих перстов, на луну и звезды, которые Ты поставил,

4 то что есть человек, что Ты помнишь его, и сын человеческий, что Ты посещаешь его?

5 Не много Ты умалил его пред Ангелами: славою и честью увенчал его;

6 поставил его владыкою над делами рук Твоих; все положил под ноги его:

7 овец и волов всех, и также полевых зверей,

8 птиц небесных и рыб морских, все, преходящее морскими стезями.

9 Господи, Боже наш! Как величественно имя Твое по всей земле!

1 সদাপ্রভু আমাদের প্রভু, সমস্ত পৃথিবীতে তোমার নাম কত মহান, তোমার মহিমা স্বর্গেও প্রকাশিত হয়

2 তুমি শিশু ও নাবালকদের মুখ থেকে প্রশংসা সৃষ্টি করেছ কারণ তোমার বিরোধীদের জন্যই তা করেছ,

3 যখন আমি তোমার স্বর্গের দিকে তাকালাম যা তোমার আঙ্গুল তৈরী করেছে, চাঁদ এবং তারাদের তুমি স্থাপন করেছ,

4 মানবজাতি কেন এত গুরুত্বপূর্ণ যে তুমি তাদের লক্ষ্য কর, মানবজাতিই বা কে যে তুমি তাদের প্রতি মনোযোগ দাও ?

5 যদিও তুমি তাদেরকে স্বর্গীয়দের তুলনায় কিছুটা নিম্নতর করে বানিয়েছ এবং তুমি তাদেরকে গৌরব ও সম্মানের সঙ্গে সম্মানিত করেছ,

6 তুমি তাকে তোমার হাতের কাজের উপর কর্তৃত্ব করতে দিয়েছ এবং সমস্ত কিছু তার পায়ের নিচে রেখেছ,

7 সমস্ত ভেড়া এবং ষাঁড় ও এমনকি ক্ষেত্রের প্রাণীরাও।

8 আকাশের পাখিরা এবং সমুদ্রের মাছ, যা কিছু সমুদ্রের স্রোতের মধ্যে দিয়ে যায়।

9 সদাপ্রভু আমাদের প্রভু, সমস্ত পৃথিবীতে তোমার নাম কত মহান !

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Аллилуиа, аллилуиа, аллилуиа, слава Тебе, Боже. (Трижды) —

Господи, помилуй. (Трижды) —

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Кафизма 2

Слава I

Псалом 9 · MT 9 + 10

Начальнику хора. По смерти Лабена. Псалом Давида.

1 Буду славить [Тебя], Господи, всем сердцем моим, возвещать все чудеса Твои.

2 Буду радоваться и торжествовать о Тебе, петь имени Твоему, Всевышний.

3 Когда враги мои обращены назад, то преткнутся и погибнут пред лицем Твоим,

4 ибо Ты производил мой суд и мою тяжбу; Ты воссел на престоле, Судия праведный.

5 Ты вознегодовал на народы, погубил нечестивого, имя их изгладил на веки и веки.

6 У врага совсем не стало оружия, и города Ты разрушил; погибла память их с ними.

7 Но Господь пребывает вовек; Он приготовил для суда престол Свой,

8 и Он будет судить вселенную по правде, совершит суд над народами по правоте.

9 И будет Господь прибежищем угнетенному, прибежищем во времена скорби;

10 и будут уповать на Тебя знающие имя Твое, потому что Ты не оставляешь ищущих Тебя, Господи.

11 Пойте Господу, живущему на Сионе, возвещайте между народами дела Его,

12 ибо Он взыскивает за кровь; помнит их, не забывает вопля угнетенных.

13 Помилуй меня, Господи; воззри на страдание мое от ненавидящих меня, - Ты, Который возносишь меня от врат смерти,

14 чтобы я возвещал все хвалы Твои во вратах дщери Сионовой: буду радоваться о спасении Твоем.

15 Обрушились народы в яму, которую выкопали; в сети, которую скрыли они, запуталась нога их.

16 Познан был Господь по суду, который Он совершил; нечестивый уловлен делами рук своих.

17 Да обратятся нечестивые в ад, - все народы, забывающие Бога.

18 Ибо не навсегда забыт будет нищий, и надежда бедных не до конца погибнет.

19 Восстань, Господи, да не преобладает человек, да судятся народы пред лицем Твоим.

20 Наведи, Господи, страх на них; да знают народы, что человеки они.

21 Для чего, Господи, стоишь вдали, скрываешь Себя во время скорби?

22 По гордости своей нечестивый преследует бедного: да уловятся они ухищрениями, которые сами вымышляют.

23 Ибо нечестивый хвалится похотью души своей; корыстолюбец ублажает себя.

24 В надмении своем нечестивый пренебрегает Господа: "не взыщет"; во всех помыслах его: "нет Бога!"

25 Во всякое время пути его гибельны; суды Твои далеки для него; на всех врагов своих он смотрит с пренебрежением;

26 говорит в сердце своем: "не поколеблюсь; в род и род не приключится мне зла";

27 уста его полны проклятия, коварства и лжи; под языком - его мучение и пагуба;

28 сидит в засаде за двором, в потаенных местах убивает невинного; глаза его подсматривают за бедным;

29 подстерегает в потаенном месте, как лев в логовище; подстерегает в засаде, чтобы схватить бедного; хватает бедного, увлекая в сети свои;

9:1 আমার সমস্ত হৃদয় দিয়ে আমি সদাপ্রভুকে ধন্যবাদ দেব, আমি তোমার সমস্ত আশ্চর্য্য কাজের কথা বলব।

9:2 আমি সর্বশক্তিমান ঈশ্বরের মধ্যে খুশি এবং আনন্দিত হব; আমি ঈশ্বরের নামের উদ্দেশ্যে প্রশংসাগান করব, হে মহান ঈশ্বর!

9:3 যখন আমার শত্রুরা ফেরে, তারা তোমার সামনে বাধা পাবে ও বিনষ্ট হবে।

9:4 কারণ তুমি আমার ন্যায়ের জন্যে রক্ষা করেছ; একজন ধার্মিক বিচারক হিসাবে তুমি তোমার সিংহাসনে বসেছ।

9:5 তুমি যুদ্ধের শব্দে সেই জাতিকে আতঙ্কিত করেছ, তুমি দুষ্টদের ধ্বংস করেছ, তুমি তাদের স্মৃতি চিরদিনের জন্য মুছে ফেলেছ।

9:6 শত্রুরা ধ্বংসাবশেষ মত ক্ষয়প্রাপ্ত হবে যখন তুমি তাদের শহরগুলো ধ্বংস করবে, তাদের বিষয়ে সমস্ত স্মৃতি লুপ্ত হয়ে গিয়েছে।

9:7 কিন্তু সদাপ্রভু চিরকাল থাকেন; তিনি ন্যায়বিচারের জন্য তাঁর সিংহাসন স্থাপন করেন।

9:8 তিনি ন্যায্যভাবে পৃথিবীকে বিচার করবেন, তিনি জাতিদের বিচার করবেন।

9:9 সদাপ্রভু নিপীড়িতদের জন্য একটি উচ্চ দূর্গ, বিপদের দিন একটি দূর্গ।

9:10 যারা তোমার নাম জানে তারা তোমাকে বিশ্বাস করে, তোমার জন্য, সদাপ্রভু, যারা তোমার খোঁজ করে তাদের পরিত্যাগ কর না।

9:11 সদাপ্রভুর প্রশংসাগান করো; যিনি সিয়োনে বাস করেন তিনি যা করেছেন তা জাতিদের বল।

9:12 কারণ তিনি রক্তের প্রতিশোধ নেন ও তা স্মরণ করেন অত্যাচারিত লোকদের কান্না ভুলে যান না।

9:13 সদাপ্রভু আমার উপর দয়া কর, দেখো আমি কেমন করে তাদের দ্বারা অত্যাচারিত হচ্ছি, যারা আমাকে ঘৃণা করে তুমিই সেই যিনি মৃত্যুর দ্বার থেকে আমাকে কেড়ে নিতে পারেন।

9:14 আহা, আমি যেন তোমার সমস্ত প্রশংসা প্রচার করতে পারি; সিয়োন কন্যার দ্বারগুলোর মধ্যে, আমি তোমার পরিত্রাণে আনন্দিত হব।

9:15 জাতিরা খাতের মধ্যে ডুবে গেছে যা তারা তৈরী করেছিল তাদের লুকানো জালে তাদের পা আটকা পড়েছে।

9:16 সদাপ্রভু নিজেকে প্রকাশ করেছেন; তিনি বিচার নিষ্পন্ন করেন; দুষ্ট নিজের কাজের দ্বারা ফাঁদে পড়ে। সেলা

9:17 দুষ্টেরা ফিরবে এবং পাতালে পাঠানো হবে, সমস্ত জাতিরা যারা ঈশ্বরকে ভুলে গেছে।

9:18 কারণ অভাবগ্রস্তদের সবদিনের জন্য ভুলে যাবেন না, আর নিপীড়িতদের আশা চিরকালের জন্য বিনষ্ট হবে না।

9:19 ওঠ, সদাপ্রভু, মানুষকে আমাদের জয় করতে দিও না, যেন সমস্ত জাতি তোমার চোখে বিচারিত হয়।

9:20 সদাপ্রভু তাদেরকে আতঙ্কিত কর; জাতিরা জানতে পারে যে তারা মানুষ মাত্র। সেলা

10:1 সদাপ্রভু, কেন তুমি দূরে দাঁড়িয়ে থাক? বিপদের দিনের কেন তুমি নিজেকে লুকিয়ে রাখো?

10:2 কারণ তাদের অহঙ্কারের জন্য, দুষ্ট লোকেরা নিপীড়িতদের অনুসরণ করে; কিন্তু দয়া করে যে ফাঁদ দুষ্টরা পেতেছে সেই ফাঁদেই তাদের পড়তে দাও।

10:3 কারণ দুষ্ট লোক তার হৃদয়ের বাসনায় অহঙ্কার করে, এবং লোভী লোকেরা ঈশ্বর নিন্দা করে এবং সদাপ্রভুকে অপমান করে।

10:4 কারণ দুষ্ট লোক গর্বিত, সে ঈশ্বরের সন্ধান করে না, সে ঈশ্বরের সম্পর্কে চিন্তা করে না, কারণ সে তাঁর বিষয়ে কোনো পরোয়া করে না।

10:5 তিনি সব দিনের নিরাপদ, কিন্তু তোমার ধার্মিকতার আদেশ তার জন্য খুব উঁচু; তিনি তাঁর সমস্ত শত্রুদের প্রতি গর্জন করেন।

10:6 সে তার হৃদয়ে বলেছে, আমি কখনই ব্যর্থ হব না; সমস্ত প্রজন্মের মধ্যেও আমি দূর্দশার সম্মুখীন হব না।

10:7 তার মুখ অভিশাপ, প্রতারণা এবং খারাপ শব্দে পূর্ণ; তার জিহ্বা ক্ষতিগ্রস্ত এবং ধ্বংসপ্রাপ্ত।

10:8 সে গ্রামের কাছে ওৎ পেতে অপেক্ষা করে; গোপন জায়গায় সে নির্দোষদের হত্যা করে; তার চোখ কিছু অসহায়দের শিকারের জন্য তাকিয়ে থাকে।

10:9 সে ঝোপঝাড়ের মধ্যে সিংহের মত গোপনে লুকিয়ে থাকে; সে নিপীড়িতদের ধরার জন্য অপেক্ষা করে থাকে। সে নিপীড়িতদেরকে ধরে যখন সে তার জালে টানে।

30 сгибается, прилегает, - и бедные падают в сильные когти его;

31 говорит в сердце своем: [забыл Бог, закрыл лице Свое, не увидит никогда].

32 Восстань, Господи, Боже [мой], вознеси руку Твою, не забудь угнетенных [Твоих до конца].

33 Зачем нечестивый пренебрегает Бога, говоря в сердце своем: "Ты не взыщешь"?

34 Ты видишь, ибо Ты взираешь на обиды и притеснения, чтобы воздать Твоею рукою. Тебе предает себя бедный; сироте Ты помощник.

35 Сокруши мышцу нечестивому и злому, так чтобы искать и не найти его нечестия.

36 Господь - царь на веки, навсегда; исчезнут язычники с земли Его.

37 Господи! Ты слышишь желания смиренных; укрепи сердце их; открой ухо Твое,

38 чтобы дать суд сироте и угнетенному, да не устрашает более человек на земле.

Псалом 10 · MT 11

Начальнику хора. Псалом Давида.

1 На Господа уповаю; как же вы говорите душе моей: "улетай на гору вашу, как птица"?

2 Ибо вот, нечестивые натянули лук, стрелу свою приложили к тетиве, чтобы во тьме стрелять в правых сердцем.

3 Когда разрушены основания, что сделает праведник?

4 Господь во святом храме Своем, Господь, - престол Его на небесах, очи Его зрят [на нищего]; вежды Его испытывают сынов человеческих.

5 Господь испытывает праведного, а нечестивого и любящего насилие ненавидит душа Его.

6 Дождем прольет Он на нечестивых горящие угли, огонь и серу; и палящий ветер - их доля из чаши;

7 ибо Господь праведен, любит правду; лице Его видит праведника.

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Аллилуиа, аллилуиа, аллилуиа, слава Тебе, Боже. (Трижды) —

Господи, помилуй. (Трижды) —

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Слава II

Псалом 11 · MT 12

Начальнику хора. На восьмиструнном. Псалом Давида.

1 Спаси [меня], Господи, ибо не стало праведного, ибо нет верных между сынами человеческими.

2 Ложь говорит каждый своему ближнему; уста льстивы, говорят от сердца притворного.

3 Истребит Господь все уста льстивые, язык велеречивый,

4 тех, которые говорят: "языком нашим пересилим, уста наши с нами; кто нам господин"?

5 Ради страдания нищих и воздыхания бедных ныне восстану, говорит Господь, поставлю в безопасности того, кого уловить хотят.

6 Слова Господни - слова чистые, серебро, очищенное от земли в горниле, семь раз переплавленное.

10:10 তার শিকাররা চূর্ণবিচূর্ণ এবং আঘাতপ্রাপ্ত হয়েছে; তারা তার শক্তিশালী জালের মধ্যে পড়ে।

10:11 সে তার হৃদয়ে বলে, “ঈশ্বর ভুলে গেছেন; তিনি তাঁর মুখ আড়াল করছেন, তিনি কখনও দেখবেন না।”

10:12 সদাপ্রভু, ওঠ, হে ঈশ্বর, বিচারে তোমার হাত তোলো। নিপীড়িতদের ভুলে যেও না।

10:13 কেন দুষ্ট লোক ঈশ্বরকে প্রত্যাখ্যান করে এবং তার হৃদয় বলে, “তুমি আমাকে দোষী করবে না ?”

10:14 কারণ তুমি লক্ষ্য করেছ এবং সবদিন দেখেছ, যে ব্যক্তি দুঃখ ও দূর্দশায় কষ্ট পায়, অসহায় তোমার ওপরে নিজের ভার সমর্পণ করে; তুমি পিতৃহীনদের উদ্ধার কর।

10:15 দুষ্ট এবং মন্দ লোকের বাহু ভেঙে ফেল; তার মন্দ কাজের জন্য তাকে দায়ী কর, যে বিষয়ে সে মনে করেছিল, যে তুমি তার খোঁজ আর করবে না।

10:16 যুগে যুগে সদাপ্রভুই রাজা; জাতিগুলো তার দেশ থেকে উচ্ছেদ হয়েছে।

10:17 সদাপ্রভু, তুমি নিপীড়িতদের চাহিদাগুলো শুনেছ; তুমি তাদের হৃদয় শক্তিশালী কর, তুমি তাদের প্রার্থনা শুনবে;

10:18 তুমি পিতৃহীনদের এবং নিপীড়িতদেরকে রক্ষা কর, যাতে মানুষ আবার পৃথিবীতে সন্ত্রাসের কারণ না হয়।

1 আমি সদাপ্রভুতে আশ্রয় গ্রহণ করেছি; কিভাবে তুমি আমার প্রাণকে বলবে, “পাখির মত উড়ে পর্বতে যাও ?”

2 কারণ দেখ, দুষ্টেরা তাদের ধনুক তৈরী করেছে, তারা তাদের তীরগুলো দড়ির উপরে প্রস্তুত করেছে যেন যাদের হৃদয় সরল তাদেরকে অন্ধকারে বিদ্ধ করতে পারে।

3 কারণ যদি ভিত্তিমূল ধ্বংসপ্রাপ্ত হয়, ধার্মিকরা কি করতে পারে ?

4 সদাপ্রভু তাঁর পবিত্র মন্দিরে আছেন; তাঁর চোখ লক্ষ্য করে, তাঁর চোখ মানুষের সন্তানদের পরীক্ষা করে।

5 সদাপ্রভু ধার্মিক এবং দুষ্ট উভয়কেই পরীক্ষা করেন, কিন্তু যারা হিংস্রতা ভালবাসে তিনি তাদের ঘৃণা করেন।

6 তিনি দুষ্টদের উপরে জ্বলন্ত কয়লা ও গন্ধক বর্ষণ করেন; একটি উষ্ণ বায়ু তার পানপাত্র থেকে তাদের অংশ হবে।

7 কারণ সদাপ্রভু ধার্মিক এবং তিনি ধার্মিকতা ভালবাসেন; ন্যায়পরায়ণেরা তাঁর মুখ দেখতে পাবে।

1 সদাপ্রভু, সাহায্য কর, কারণ ধার্ম্মিকেরা অদৃশ্য হয়ে গেছে; বিশ্বস্তরা বিলুপ্ত হয়ে গেছে।

2 সবাই তার প্রতিবেশীকে অনর্থক কথা বলে; যারা দুমনা ও তোষামোদের সঙ্গে কথা বলে।

3 সদাপ্রভু, তোষামোদকারীদের, প্রত্যেক জিভ যারা বড় কথা বলে তাদের উচ্ছিন্ন করবেন।

4 এরা তারা যারা বলে, “আমাদের জিহ্বা দিয়ে আমরা জয়ী হব, যখন আমাদের মুখ কথা বলবে, কে আমাদের উপর প্রভুত্ব করতে পারে ?”

5 সদাপ্রভু বলেন, দরিদ্রের বিরুদ্ধে হিংস্রতার কারণে, অভাবগ্রস্তদের গভীর আর্তনাদের কারণে, আমি উঠব, আমি তাদের নিরাপত্তা প্রদান করব কারণ যার জন্য তারা আকাঙ্খা করে।

6 সদাপ্রভুর বাক্য বিশুদ্ধ বাক্য, মাটির ধাতু গলানোর পাত্রে শুদ্ধ করা রূপার মত, সাত বার পরিশোধিত।

7 Ты, Господи, сохранишь их, соблюдешь от рода сего вовек.

8 Повсюду ходят нечестивые, когда ничтожные из сынов человеческих возвысились.

7 তুমি সদাপ্রভু, তুমি আমাদের রক্ষা কর এবং সবদিন এই দুষ্ট প্রজন্ম থেকে আমাদের রক্ষা করবে।

8 দুষ্টরা চারিদিকে ঘুরে বেড়ায়, যখন মানুষের সন্তানদের মধ্যে মন্দতা সম্মানিত হয়।

Псалом 12 · MT 13

Начальнику хора. Псалом Давида.

1 Доколе, Господи, будешь забывать меня вконец, доколе будешь скрывать лице Твое от меня?

2 Доколе мне слагать советы в душе моей, скорбь в сердце моем день [и ночь]? Доколе врагу моему возноситься надо мною?

3 Призри, услышь меня, Господи Боже мой! Просвети очи мои, да не усну я сном смертным;

4 да не скажет враг мой: [я одолел его]. Да не возрадуются гонители мои, если я поколеблюсь.

5 Я же уповаю на милость Твою; сердце мое возрадуется о спасении Твоем; воспою Господу, облагодетельствовавшему меня, [и буду петь имени Господа Всевышнего].

—

1 কতকাল, সদাপ্রভু, তুমি আমাকে ভুলে থাকবে ? তুমি আমার কাছ থেকে কতকাল তোমার মুখ লুকাবে ?

2 আমি কতকাল ধরে আমার প্রাণের মধ্যে চিন্তা করবো, সমস্ত দিন আমার হৃদয়ে মধ্যে দুঃখ রাখব ? কতকাল আমার শত্রু আমার উপরে উন্নত হতে থাকবে ?

3 সদাপ্রভু আমার ঈশ্বর ! আমাকে দেখো এবং উত্তর দাও, আমার চোখ আলোকিত কর বা আমি মৃত্যুর মধ্যে ঘুমাবো।

4 আমার শত্রু না বলে, “আমি তাকে পরাজিত করেছি,” যাতে আমার শত্রু বলতে না পারে, “আমি আমার প্রতিপক্ষের উপর জয়লাভ করেছি,” অন্যভাবে, আমার শত্রুরা আনন্দিত হবে যখন আমি পরাস্ত হব।

5 কিন্তু আমি তোমার নিয়মের বিশ্বস্ততায় বিশ্বাস করেছি; আমার হৃদয় তোমার পরিত্রানের মধ্যে উল্লাসিত।

6 আমি সদাপ্রভুর উদ্দেশ্যে গান করব, কারণ তিনি আমার মঙ্গল করেছেন।

Псалом 13 · MT 14

Начальнику хора. Псалом Давида.

1 Сказал безумец в сердце своем: [нет Бога]. Они развратились, совершили гнусные дела; нет делающего добро.

2 Господь с небес призрел на сынов человеческих, чтобы видеть, есть ли разумеющий, ищущий Бога.

3 Все уклонились, сделались равно непотребными; нет делающего добро, нет ни одного.

4 Неужели не вразумятся все, делающие беззаконие, съедающие народ мой, как едят хлеб, и не призывающие Господа?

5 Там убоятся они страха, [где нет страха,] ибо Бог в роде праведных.

6 Вы посмеялись над мыслью нищего, что Господь упование его.

7 [Кто даст с Сиона спасение Израилю!] Когда Господь возвратит пленение народа Своего, тогда возрадуется Иаков и возвеселится Израиль.

1 একজন বোকা তার হৃদয়ে বলে, ঈশ্বর নেই। তারা অসৎ এবং জঘন্য পাপ কাজ করেছে; এমন কেউ নেই যে ভাল কাজ করে।

2 সদাপ্রভু স্বর্গ থেকে মানবসন্তানদের প্রতি দেখেন যে কেউ বুদ্ধির সাথে চলে কিনা, কেউ ঈশ্বরকে খোঁজে কিনা।

3 সবাই বিপথে গিয়েছে, সবাই কলুষিত হয়েছে; এমন কেউ নেই যে ভাল কাজ করে, কেউ নেই, একজনও নেই।

4 যারা অপরাধ করে, তারা কি কিছু জানে না ? যেমনভাবে তারা খাবার খায়, ঠিক তেমন তারা আমার লোকদের গ্রাস করে, কিন্তু তারা সদাপ্রভুকে ডাকেনা ?

5 তারা ভয়ের সঙ্গে কাঁপে, কারণ কিন্তু ঈশ্বর ধার্মিক সমাজের সঙ্গে থাকেন !

6 তুমি দরিদ্র ব্যক্তিকে লজ্জিত করেছ, যদিও সদাপ্রভু তাঁর আশ্রয়।

7 আঃ ! ইস্রায়েলের পরিত্রান সিয়োন থেকে আসবে ! সদাপ্রভু যখন তাঁর লোকেদের বন্দিত্ব থেকে ফিরিয়ে আনবেন, তখন যাকোব আনন্দ করবে এবং ইস্রায়েল আনন্দিত হবে !

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Аллилуиа, аллилуиа, аллилуиа, слава Тебе, Боже. (Трижды) —

Господи, помилуй. (Трижды) —

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Слава III

Псалом 14 · MT 15

Псалом Давида.

1 Господи! кто может пребывать в жилище Твоем? кто может обитать на святой горе Твоей?

2 Тот, кто ходит непорочно и делает правду, и говорит истину в сердце своем;

1 সদাপ্রভু, কে তোমার তাঁবুতে বাস করবে ? কে তোমার পবিত্র পর্বতে বাস করবে ?

2 যে ব্যক্তি নির্দোষভাবে চলে এবং যা ন্যায্য তাই করে এবং তার হৃদয় থেকে সত্য কথা বলে।

3 кто не клевещет языком своим, не делает искреннему своему зла и не принимает поношения на ближнего своего4

4 тот, в глазах которого презрен отверженный, но который боящихся Господа славит; кто клянется, хотя бы злому, и не изменяет;

5 кто серебра своего не отдает в рост и не принимает даров против невинного. Поступающий так не поколеблется вовек.

3 সে তার জিভ দিয়ে নিন্দা করে না এবং অন্যদের ক্ষতি করে না, না তার প্রতিবেশীকে অপমান করে।

4 অযোগ্য ব্যক্তি তার চোখে তুচ্ছ হয়; কিন্তু সে তাদের সম্মান করে যারা সদাপ্রভুকে ভয় করে। তার শপথের জন্য তার ক্ষতি হলেও, সে তার প্রতিজ্ঞা ফিরিয়ে নেয় না।

5 যখন সে টাকা ধার দেয় তখন তিনি সুদ নেন না, তিনি নির্দোষের বিরুদ্ধে সাক্ষ্য দিতে ঘুষ গ্রহণ করেন না। যে এই কাজগুলো করে, সে কখনো বিচলিত হবে না।

Псалом 15 · MT 16

Песнь Давида.

1 Храни меня, Боже, ибо я на Тебя уповаю.

2 Я сказал Господу: Ты - Господь мой; блага мои Тебе не нужны.

3 К святым, которые на земле, и к дивным Твоим - к ним все желание мое.

4 Пусть умножаются скорби у тех, которые текут к богу чужому; я не возлию кровавых возлияний их и не помяну имен их устами моими.

5 Господь есть часть наследия моего и чаши моей. Ты держишь жребий мой.

6 Межи мои прошли по прекрасным местам, и наследие мое приятно для меня.

7 Благословлю Господа, вразумившего меня; даже и ночью учит меня внутренность моя.

8 Всегда видел я пред собою Господа, ибо Он одесную меня; не поколеблюсь.

9 Оттого возрадовалось сердце мое и возвеселился язык мой; даже и плоть моя успокоится в уповании,

10 ибо Ты не оставишь души моей в аде и не дашь святому Твоему увидеть тление,

11 Ты укажешь мне путь жизни: полнота радостей пред лицем Твоим, блаженство в деснице Твоей вовек.

1 ঈশ্বর, আমাকে রক্ষা কর, কারণ আমি তোমাতে আশ্রয় গ্রহণ করেছি।

2 আমি সদাপ্রভুকে বলেছি, তুমিই আমার প্রভু; তুমি ছাড়া আমার মঙ্গল নেই।

3 সমস্ত পবিত্র লোক যারা পৃথিবীতে আছেন, তাঁরা মহান মানুষ, তাদের মধ্যেই আমার সমস্ত আনন্দ।

4 যারা অন্য দেবতাদের খোঁজে, তাদের যন্ত্রণা বৃদ্ধি হবে। আমি তাদের দেবতাদের কাছে রক্ত নিয়ে নৈবেদ্য উৎসর্গ করব না এবং আমার মুখে তাদের নামও নেব না।

5 সদাপ্রভু, আমার মনোনীত অংশ ও আমার পানপাত্র; তুমি আমার অধিকার নির্দিষ্ট করেছ।

6 আমার জন্য মনোরম জায়গার সীমা পরিমাপ করা হয়েছে, নিশ্চয় একটি উত্তরাধিকার আমার জন্য মনোরম।

7 আমি সদাপ্রভুর প্রশংসা করবো, যিনি আমাকে পরামর্শ দেন, এমনকি রাত্রিতেও আমার মন আমাকে নির্দেশ দেন।

8 আমি সব দিন সদাপ্রভুকে আমার সামনে রেখেছি! তাই তিনি আমার ডান দিকে, আমি বিচলিত হব না।

9 এই জন্য আমার হৃদয় আনন্দিত ও আমার গৌরব উল্লাসিত হল; নিশ্চয়ই আমার মাংসও নির্ভয়ে বাস করবে।

10 কারণ তুমি আমার প্রাণ পাতালে ত্যাগ করবে না, তুমি তোমার পবিত্র লোককে ক্ষয় দেখতে দেবে না।

11 তুমি আমাকে জীবনের পথ জানাবে, তোমার উপস্থিতিতে অসীম আনন্দ, তোমার ডান হাতে চিরকালের আনন্দ থাকে!

Псалом 16 · MT 17

Молитва Давида.

1 Услышь, Господи, правду [мою], внемли воплю моему, прими мольбу из уст нелживых.

2 От Твоего лица суд мне да изыдет; да воззрят очи Твои на правоту.

3 Ты испытал сердце мое, посетил меня ночью, искусил меня и ничего не нашел; от мыслей моих не отступают уста мои.

4 В делах человеческих, по слову уст Твоих, я охранял себя от путей притеснителя.

5 Утверди шаги мои на путях Твоих, да не колеблются стопы мои.

6 К Тебе взываю я, ибо Ты услышишь меня, Боже; приклони ухо Твое ко мне, услышь слова мои.

7 Яви дивную милость Твою, Спаситель уповающих [на Тебя] от противящихся деснице Твоей.

8 Храни меня, как зеницу ока; в тени крыл Твоих укрой меня

9 от лица нечестивых, нападающих на меня, - от врагов души моей, окружающих меня:

10 они заключились в туке своем, надменно говорят устами своими.

11 На всяком шагу нашем ныне окружают нас; они устремили глаза свои, чтобы низложить меня на землю;

12 они подобны льву, жаждущему добычи, подобны скимну, сидящему в местах скрытных.

13 Восстань, Господи, предупреди их, низложи их. Избавь душу мою от нечестивого мечом Твоим,

14 от людей - рукою Твоею, Господи, от людей мира, которых удел в этой жизни, которых чрево Ты наполняешь из сокровищниц Твоих; сыновья их сыты и оставят остаток детям своим.

1 সদাপ্রভু; ন্যায়বিচারের জন্য আমার অনুরোধ শোন, আমার কান্নায় মনোযোগ দাও! আমার প্রার্থনা শোন, যা ছলনায় পূর্ণ মুখ থেকে বার হয় না।

2 তোমার উপস্থিতি থেকে আমার বিচার উপস্থিত হোক; যা ন্যায্য তা তোমার চোখে তা দেখুক।

3 যদি তুমি আমার হৃদয় পরীক্ষা কর, যদি তুমি রাতে আমার কাছে আসো, তুমি আমাকে শুদ্ধ করবে এবং কোন মন্দ পরিকল্পনা খুঁজে পাবে না; আমি দৃঢ়বদ্ধ যে আমার মুখ পাপ করবে না।

4 মানুষের কাজের বিষয়ে, তোমার মুখের বাক্যে, আমি নিজেকে অনাচারের পথ থেকে সাবধান করেছি।

5 আমার পদক্ষেপগুলো তোমার পথে স্থির রেখেছে, আমার পা বিচলিত হয়নি।

6 আমি তোমাকে ডাকলাম, ঈশ্বর; তুমি আমাকে উত্তর দাও, আমার প্রতি কান দাও আমার কথা শোন।

7 একটি চমৎকার উপায় তোমার চুক্তির বিশ্বস্ততা প্রকাশ কর, তুমি তোমার ডান হাত দিয়ে তাদের রক্ষা করেছ যারা তোমার কাছে আশ্রয় নিয়েছে!

8 চোখের মণির মত আমাকে রক্ষা কর, তোমার ডানার ছায়াতে আমাকে লুকিয়ে রাখ।

9 দুষ্ট লোকের উপস্থিতি থেকে যারা আমাকে আক্রমণ করে, আমার শত্রু যারা আমার চারপাশে ঘিরে আছে।

10 তাদের কারো উপর কোন দয়া নেই, তাদের মুখ গর্বের সাথে কথা বলে।

11 তারা আমাদের পদক্ষেপ ঘিরেছে। তারা আমাদের ভূমিতে আঘাত করার জন্য তাদের চোখ স্থির করেছে।

12 তারা সিংহের মত শিকারের জন্য আগ্রহী, গোপনে লুকিয়ে থাকা যুবসিংহের মত।

13 সদাপ্রভু, ওঠ, তাদের আক্রমণ কর, নিচে তাদের ফেলে দাও! তোমার তলোয়ার সাহায্যে দুষ্টদের থেকে আমার জীবনকে উদ্ধার কর!

14 সদাপ্রভু, তোমার হাত দিয়ে আমাকে মানুষের থেকে উদ্ধার কর, এই জগতের লোকদের থেকে যাদের সমৃদ্ধি একমাত্র এই জীবনেই! তুমি ধন সম্পদ দিয়ে তাদের পেট পূর্ণ করবে; তাদের অনেক সন্তান হবে এবং তাদের সম্পদ তাদের সন্তানদের কাছে ছেড়ে যাবে।

15 А я в правде буду взирать на лице Твое; пробудившись, буду насыщаться образом Твоим.

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

Аллилуиа, аллилуиа, аллилуиа, слава Тебе, Боже. (Трижды) —

Господи, помилуй. (Трижды) —

Слава Отцу и Сыну и Святому Духу, и ныне и присно и во веки веков. Аминь. —

15 আমি ধার্ম্মিকতায় মধ্যে তোমার মুখ দেখব ; আমি জেগে উঠে তোমার দর্শনে সন্তুষ্ট হব।